NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

। त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे।

श्रीनर्मदाजी की शास्त्रोक्त परीक्रमा

(एक आध्यात्मिक अनुभूति)

यहां स्कैन करें और
हमारा फेसबुक पेज देखें

यहां स्कैन करें और
हमारा यूट्यूब पेज देखें

श्रीनर्मदाजी की शास्त्रोक्त परीक्रमा

(एक आध्यात्मिक अनुभूति)

परिक्रमा प्रारंभ एवं समापन - श्री नीलकंठेश्वर महादेव, भरूच

2X2 पुश बैक एसी सुपर शानदार बस द्वारा
सभी सुविधाओं के साथ होटल आवास

गुजरात में पहली बार लाइफ जैकेट सुविधा के साथ
सागररेवा संगम पर तटपरिवर्तन

यात्रा की लागत में शुद्ध सात्विक घरेलू शैली का भोजन, दैनिक आरामदायक रात्रि विश्राम, चाय, कॉफी, स्नैक्स, पैकेज्ड पेयजल आदि सहित सभी खर्च शामिल हैं।

परिक्रमा में शामिल होने के इच्छुक भावी भक्त इस पते पर संपर्क करें

• प्रेरणा •

प.पू.गुरुजी श्री संतोष महाराज

टावर ए - 505, गुणातीत रेजीडेंसी, गायत्री स्कूल के सामने,
गोत्री तालाब के पास, गोत्री वडोदरा - 390021

+91 98248 44288 | +91 97148 44288 | +91 99788 88053

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

आवास एवं यात्रा व्यवस्था

1. पूरी यात्रा 2X2 एसी सीटिंग पुश बैक कोच, 33 सीटर बस से होगी।

2. बुकिंग से पहले आयोजकों से सीट नंबर के बारे में पहले ही चर्चा कर लें.
किसी भी स्थिति में सीट नं. बदलेगा नहीं।
बाद मे कोई बदलाव नहीं होगा.

3. यात्रा के दौरान प्रतिदिन रात्रि विश्राम होगा और रात्रिकालीन यात्रा नहीं होगी।

4. प्रत्येक दिन टुकड़ों में 500 मीटर से 1 किमी तक चलने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार होकर यात्रा में प्रवेश करें।

5. टूर के दौरान प्रतिदिन 2 व्यक्तियों के बीच कमरा दिया जाएगा। ठहरने के लिए नॉन एसी कमरे होंगे।

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

भोजन व्यवस्था

1. यात्रा के दौरान दोनों समय शुद्ध-सात्त्विक स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी, जिसमें प्रतिदिन मिष्ठान एवं फरसाण शामिल रहेगा।
2. खाने में प्याज, लहसुन का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा.
3. एकादशी के दिन व्रती के भोजन की व्यवस्था की जाएगी। व्यक्तिगत एवं साप्ताहिक उपवास की व्यवस्था नहीं की जायेगी।
4. प्रतिदिन सुबहमे गर्म नाश्ता और चायध्कॉफी उपलब्ध कराई जाएगी।
5. प्रत्येक यात्री को प्रतिदिन 2 लीटर पैकेज्ड पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

बुकिंग की व्यवस्था

1. यात्रा राशि में भोजन, आवास आदि शामिल है।
2. प्रति व्यक्ति बुकिंग 20,000 (बीस हजार रूपये)की राशि जमा करवानी होगी
3. जमा राशि हस्तांतरणीय और गैर-वापसी योग्य है और शेष राशि का भुगतान यात्रा से 15 दिन पहले किया जाना चाहिए।
4. निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर यात्रा राशि जमा नहीं की गई तो स्वचालित रूप से बुकिंग रद्द मानी जाएगी।
5. आरक्षण राशि जमा करने पर, यह माना जाएगा कि सभी नियम और शर्तें यात्री द्वारा अनुमोदित और स्वीकार की गई हैं।
6. यात्रा शुरू होने के बाद किसी भी कारण से यात्रा बीच में छोड़ने पर कोई रिफंड नहीं दिया जाएगा।
7. वडोदरा तक की यात्रा का सारा खर्च यात्रियों द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा।
8. आरक्षण रद्द होने की स्थिति में यात्रा राशि अन्य यात्रा में समायोजित कर दी जाएगी।
9. कृपया किसी भी प्रकार की छूट पर चर्चा न करें।
10. प्राकृतिक आपदा या सरकारी प्रतिबंध (लॉकडाउन, कर्फ्यू) की स्थिति में यात्रा रद्द होने की स्थिति में जमा राशि वापस नहीं की जाएगी। भविष्य की यात्राओं में समायोजन करेंगे।

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

सामान्य निर्देश

1. यात्रियों को अपने शारीरिक स्वास्थ्य और आहार का ध्यान रखना होगा। अपने साथ पर्याप्त मात्रा में नियमित दवाइयां रखें। प्राथमिक उपचार की सुविधा होगी, तबीयत बिगड़ने पर परिजनों को सूचित कर उचित निर्णय लिया जायेगा.

2. कम सामान के साथ यात्रा करने में अधिक मजा आएगा। एक छोटे एयरबैग में 3–4 दिन का सामान रखें जिसे यात्रियों को हर दिन खुद ही ले जाना होगा। बस के ट्रंक मे जो बड़ा सामान या बैग रखा जाएगा वह विश्राम स्थल पर परिचारकों द्वारा 2–3 दिन में एक बार आपको दिया जाएगा।

3. यात्रियों को अपने साथ सरकार द्वारा प्रमाणित पहचान पत्र(आधार कार्ड) लाना होगा और आवेदन पत्र के साथ 2 पासपोर्ट आकार की तस्वीरें संलग्न करनी होंगी।

4. माँ नर्मदाजी एवं अन्य स्थानों पर स्नान करते समय सुरक्षा निर्देशों का पालन करना यात्री की जिम्मेदारी है।

5. पर्यटक का कर्तव्य है कि वह मां नर्मदा के घाटों पर साफ–सफाई का ध्यान रखे और स्नान करते समय साबुन और शैम्पू का प्रयोग न करें।

6. अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम में परिवर्तन करने का अधिकार आयोजकों के पास सुरक्षित है।

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

| त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे |

सर्व तीर्थेषु यत्पुण्यं, सर्व यज्ञेषु यत्फलम् ।
सर्व वेदेषु यत्ज्ञानं, तत्सर्वं नर्मदा तटे ॥

गंगा स्नाने, यमुना पाने, नर्मदा दरसनारर्थम मुक्तिम ॥

अनेक देवी-देवताओं, ऋषि-मुनियों की तपोस्थली होने के कारण माँ नर्मदा एकमात्र ऐसी नदी है जिसकी पूरी परिक्रमा की जाती है। मुख्यतः पैदल की जाने वाली यह दिव्य यात्रा 3 वर्ष, 3 महीने और 13 दिन की होती है और इसे कलयुग की सबसे बड़ी तपस्या माना जाता है। समय की कमी या शारीरिक अक्षमता के कारण कई नर्मदा भक्त बस जैसे आधुनिक साधनों से यह दिव्य यात्रा करते हैं। लेकिन माँ नर्मदा के तट की यह दिव्य यात्रा कोई साधारण पर्यटन नहीं बल्कि जीवन कोबदल देने वाला एक अनोखा और आनंददायक अनुभव है।

परिक्रमा के दौरान मां नर्मदा की शास्त्रोक्त विधि से पूजा करनी चाहिए, जिन तीर्थों के दर्शन करें वहां के पौराणिक महत्व की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

आराम और सुविधा के साथ पर्यटन के साथ-साथ नर्मदा पुराण के माध्यम से माँ नर्मदा की कृपा का अनुभव करें ष्नर्मदा वैली टूरिज्मष के संस्थापक निसर्ग पटेल और प.पू. संत श्री संतोष महाराज से प्रेरित, श्आध्यात्मिक नर्मदा परिक्रमाश आध्यात्मिक मन के जिज्ञासु भक्तों के लिए इस अद्वितीय परिक्रमा यात्रा में भाग लेने, चमत्कारिक रहस्यों से परिचित होने और एक अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त करने का हार्दिक निमंत्रण है।

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

। त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे।

आइये माँ नर्मदा की परिक्रमा करें

गुजरात और मध्य प्रदेश की जीवनदायिनी पुण्यसलिला माँ नर्मदा की परिक्रमा कोई पिकनिक या सैर-सपाटा या मात्र तीर्थयात्रा नहीं है। लेकिन है तो केवल तपस्या। उपनिषदों में कहा गया है कि तपोब्रह्म की ही शिक्षा देकर हम परिक्रमा कर रहे हैं।

" रेवा तटे तपस्रू कुर्यात मरण जाह्नवी तटे "

अनादि काल से ऋषियों, देवताओं, गंधर्वों, अप्सराओं, राक्षसों, राजाओं आदि ने नर्मदा के दोनों तटों पर अनेक स्थानों पर तपस्या की है और सिद्धियाँ प्राप्त की हैं।

परिक्रमा मार्ग में अनेक तीर्थस्थल, आश्रम, मंदिरे नदियों के संगमों तथा उच्च कोटि के साधु-संतों के दर्शन कर अत्यंत धन्यता का अनुभव होता है।

माँ नर्मदा की असीम कृपा का अनुभव करने के लिए परिक्रमा के आध्यात्मिक आनंद का मार्ग अपनाएँ।

सामान्यतः परिक्रमा की शुरूआत नर्मदा तट पर किसी भी स्थान से की जा सकती है। परिक्रमा यात्रा माँ नर्मदा को अपने दाहिने हाथ में रखकर पूरी धारा अमरकंटक से आगे बढ़ती है और रेवासागर संगम के चारों ओर घूमती है और उस स्थान पर पहुँचती है जहाँ से शुरू हुई थी, सर्किट पूरा माना जाता है। किसी भी स्थिति में नर्मदाजी का प्रवाहध्धारा पार नहीं होना चाहिए

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

। त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे।

परिक्रमा पूजा का एक हिस्सा है। मंदिरों में आरती, स्तुति पूजन के बाद परिक्रमा करने और प्रसाद ग्रहण करने का विधान है। परिक्रमा से जन्म-जन्मान्तर के पाप नष्ट हो जाते हैं।

यानि कानि च पापानि जन्मान्तमुतानि च।
या तानि तानि प्राणयंतु प्रदक्षिणा पदे पदे

भारत की सभी नदियों में से सात नदियों को पवित्र माना जाता है। गंगाजी, यमुनाजी, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिन्धु, कावेरी पवित्र मानी जाती हैं। परंतु परिक्रमा केवल नर्मदाजी की ही की जाती है। मां नर्मदा साक्षात भगवान शिव की कृपा हैं। प्राचीन काल से ही इसके तट पर कई देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों ने तपस्या की है। तो माँ की असीम कृपा से वन्य प्रकृति, हरियाली, वन्य जीवन आज भी जीवित है। नर्मदा की गोद मे कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, मांडवगढ़, अमरकंटक, नर्मदोत्री जैसे स्थल पर्वत श्रृंखलाओं मे है अमरकंटक समुद्र तल से 3500 फीट ऊपर एक पहाड़ी शहर है मां नर्मदा 1600 किलोमीटर के मार्ग से होकर बरमानघाट, राजघाट,ग्वारी धाट,शेठानी थाट जैसे कई दर्शनीय, मनमोहक स्थानों तक जाती है। , रेवाकुंड कपिलधारा, भेड़ाघाट, धुवाधार सहस्रधारा, दोधारा, दूधधारा आदि अनेक स्थानों से बहती हुई सागर में समाहित हो जाती है।

यहां स्कैन करें और
हमारा फेसबुक पेज देखें

यहां स्कैन करें और
हमारा यूट्यूब पेज देखें

नदियों में सर्वश्रेष्ठ क्यों हैं नर्मदाजी?

+91 98248 44288

+91 97148 44288

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

यहां स्कैन करें और
हमारा फेसबुक पेज देखें

यहां स्कैन करें और
हमारा यूट्यूब पेज देखें

देश के प्रत्येक शिवालय में नर्मदाजी के शिवलिंग स्थापित हैं।

नर्मदाजी के प्रत्येक कंकर को शंकर कहा जाता है।
अतरू उसकी प्राण प्रतिष्ठा की कोई आवश्यकता नहीं है।

केवल नर्मदाजी पर ही नर्मदा पुराण रचा गया है,
अन्य नदियों पर नहीं।

शास्त्रो के अनुसार वर्ष में एक बार गंगा सहित
सभी नदियाँ नर्मदाजी से मिलने आती हैं।

नर्मदा स्नान से सभी ग्रहों की शांति होती है।

नर्मदाजी की उत्पत्ति शिव-पार्वती की हंसी के प्रस्वेद बिन्दु से हुई है।
अतः नर्मदाजी शिव की चौतन्य क्रिया शक्ति हैं।

शास्त्रों में नर्मदाजी की परिक्रमा का कथन है

नर्मदाजी के उत्तरी तट पर रहने वाले लोग शिवलोक में जाते हैं
और दक्षिणी तट पर रहने वाले लोग पितृलोक में जाते हैं।

जलप्रलय के समय सभी नदियाँ जलमग्न हो जाती हैं,
केवल एक नदी नर्मदा रह जाती है।

हम निसर्ग पटेल गुरू के आदेश पर नर्मदा वैली टूरिज्म के माध्यम से सभी स्थानों की शास्त्रोक्त, पौराणिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक जानकारी की प्रत्यक्ष प्रस्तुति के माध्यम से संपूर्ण आध्यात्मिक नर्मदा परिक्रमा का संचालन करेंगे।

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

। त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे।

यात्रा स्थल

अमरकंटट :

समुद्र से 3500 मीटर की उचाई पर घने जंगल में एक सुरम्य पहाड़ी स्थान, नर्मदा उद्गम तीर्थ-मैकलेपर्वत पर स्थित है। ल माई की बगिया, सोना मुड़ा श्रीयंत्र मेरूमन्दिर, कल्याण दास आश्रम, दूधधारा, कपिलधारा, अमरेश्वर महादेव।

माई की बगिया :

घने जंगल में पथ,बगल में सोन नदी का उद्गम-अत्यंत मनोरम दृश्य।

ज्वालेश्वर महादेव :

महादेवजी का पौराणिक मंदिर, जोहिला नदी का उद्गम स्थल, अन्नपूर्णा माताजी का मंदिर

कपिलधारा :

कपिल ऋषि का आश्रमध्तपोभूमि, सांख्यशास्त्र की रचना स्थली,150 फीट की ऊंचाई से गीरता नर्मदाजी का पहला जलप्रपात

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

यात्रा स्थल

बर्मान घाट :

पौराणिक घाट, ब्रह्माजी की तपोस्थली

भेडाघाट :

नर्मदाजी का पानी संगमरमर की पहाड़ियों को चीरता हुआ निकलता है जो एक बड़े जलप्रपात के रूप में गिरता है, जो धुवाधार के धोध के नाम से प्रसिद्ध है

नेमावर :

नर्मदाजी का नाभिस्थानध्घाट
पौराणिक सिद्धेश्वर महादेव

होशंगाबाद (नर्मदापुरम) :

विशाल शेठानीघाट नर्मदा स्नान

ओंकारेश्वर ममलेश्वर :

बारह ज्योतिर्लिंगों में से
एक ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

यात्रा स्थल

बुधनी घाट :

एक बड़ा घाट

महाराजपुर :

बुढीनदी और नर्मदाजी का संगम।

मांडवगढ़ हिल स्टेशन :

पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थल, रानी रूपमती एवं बाजबादुर की राजधानी, रेवाकुंड, जहाज महल, हिंडोला महल, इको प्वाइंट, संग्रहालय, पौराणिक चतुर्भुज श्रीराम मंदिर।

महेश्वर :

रानी अहिल्याबाई होलकर की राजधानी, राज राजेश्वर मंदिर, सहस्त्रार्जुनमंदिर, श्री दत्त मंदिर (प्रथम धाम)

खंडवा :

दादा धूनीवाला का प्रसिद्ध आश्रम, मां तुलजा भवानी का भव्य मंदिर

NARMADA Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

यात्रा स्थल

गरुडेश्वर :

प.पू.. श्री वासुदेवानंद सरस्वती की तपोस्थली, दत्त मंदिर।

अनसुया :

सती अनसूया मंदिर, भगवान दत्तात्रेय का जन्मस्थान।

नारेश्वर :

प.पू.श्री रंगवधूत महाराज की तपोस्थली, एक विशाल आश्रम

गुमानदेव :

प्रसिद्ध हनुमानजी का मंदिर

बडवानी :

राजघाट सुंदर धाट

(दर्शन फरवरी के बाद होंगे)

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

यात्रा स्थल

करनाली :

भगवान कुबेर भंडारी के दर्शन.

विमलेश्वर :

पौराणिक शिवालय.

उज्जैन :

महाकालेश्वर ज्योतिलिंग, हरसिद्धि माता शक्तिपीठ, कालभैरव मंदिर, बड़ा गणेश, चिंतामणि गणेश, सांदीपनि आश्रम, महाकाल लोक 1/2

दूधधारा :

नर्मदा का दूसरा जलप्रपात
दुर्वासा मुनि की तपोस्थली।

सोनमुडा :

सौना नदी का उद्‌गम स्थल,
एक अद्‌भुत प्राकृतिक दृश्य

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

यात्रा स्थल

श्री यंत्र मेरू मंदिर :

सुंदर नक्काशी वाला एक पौराणिक मंदिर ,मार्कंडेय आश्रम

श्री राम घाट :

नर्मदामाताजी का पहला घाट,
पौराणिक विशाल घाट

रेवाकुंड :

नर्मदा माताजी का जन्मस्थान, माताजी का मंदिर

शहादा :

सप्तश्रृंगी माताजी मंदिर

प्रकाशा :

तापी और गोमती नदियों का संगम

NARMADA Valley Tourism Spiritual Tours Since 2010

यात्रा स्थल

अमरेश्वर महादेव :
11 फुट ऊंचा और 51 टन
वजनी विशाल भव्य शिवलिंग

64 योगिनी मंदिर :
पौराणिक 64 योगिनियों की मूर्तियाँ और
पौराणिक गौरी शंकर महादेव का मंदिर

बांद्राभान :
सुन्दर दर्शनीय घाट

जबलपुर :
विशाल ग्वारी घाट पर नर्मदाजी की
विश्व प्रसिद्ध सुन्दर संध्या आरती

बैलेंसिंग रॉक :
कुदरत का करिश्मा

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

यात्रा स्थल

मदन महल :
विशाल शीला पर बना हुआ
एक पौराणिक महल,माता मंदिर

देवास :
चामुंडा पहाड़ी पर स्थित मां तुलजा भवानी का मंदिर

सलकनपुर :
पहाडी पर श्री विंध्यवासिनी माताजी का मंदिर

मालसर :
सत्य नारायण देव का मंदिर,
पूज्य डोंगरेजी महाराज का आश्रम

रूद्र धाम :
एक सुंदर भव्य मंदिर

NARMADA Valley Tourism Spiritual Tours Since 2010

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

सामान्य निर्देश

यात्रा पर कीमती सामान न लाएँ। सामान के संरक्षण एवं परिवहन की संपूर्ण जिम्मेदारी आपकी स्वयं की होगी।
बस में सामान चढ़ाने और उतारने की व्यवस्था कंपनी करेगी।

परिक्रमा के दौरान टूर मैनेजर द्वारा प्रत्येक पर्यटक को आवंटित समय का सख्ती से पालन करना होगा.

जो पर्यटक दिए गए समय पर नहीं पहुंचेंगे, उन्हें अपने खर्चे पर अगले स्थान पर पहुंचना होगा और कोई स्थान छुट जाने पर टूर मैनेजर या टूर ऑपरेटर जिम्मेदार नहीं होगा।

यात्रा एक सेवा व्यवसाय है. यह व्यक्ति के साथ-साथ अन्य संगठनों की सेवा भी लेनी पडती हैं और हमारी कंपनी का त्राहित व्यक्ति या संगठन पर कोई नियंत्रण नहीं है।

इसलिए व्यक्ति को असुविधा और आराम के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। आरक्षित वन (वन) के क्षेत्र में उनके कानूनों का सख्ती से पालन करना पड़ता है।

पर्यटकों को अपने जोखिम पर यात्रा करनी होगी।

दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा, हानि की स्थिति में कंपनी की किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं होगी।

व्यक्तिगत व्यय, गाड़ी, मजदूरी, घोड़े, रोप-वे, धोबी, नाव, गाइड, गर्म पानी, टेलीफोन, प्रवेश शुल्क, दान, सामान बीमा, दुर्घटना बीमा या विवेकाधीन व्यय स्वयं के व्यय और जोखिम पर अलग से वहन किया जाएगा।

ले जाने के लिए सामानः गर्म कपड़े, छोटे मजबूत बैग, दैनिक आवश्यकताएं, दवाएं, तौलिए साबुन सहित आवश्यक कपड़े।

बैग को सुरक्षित करने के लिए एक लॉक-चेन, एक छोटी बैटरी, बिछाने के लिए और ओढने के लिए चादर लाना आवश्यक है।

सभी विवादों पर एनए वडोदरा का क्षेत्राधिकार होगा

NARMADA
Valley Tourism
Spiritual Tours
Since 2010

• प्रेरणा •

प.पू. गुरूजी श्री संतोष महाराज

टावर ए - 505, गुणातीत रेजीडेंसी, गायत्री स्कूल के सामने, गोत्री तालाब के पास, गोत्री वडोदरा - 390021

+91 98248 44288 | +91 97148 44288 | +91 99788 88053